Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to cancel the recognition of political parties not fulfilling the announcements after winning the election.

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर): अध्यक्ष महोदय, मैं अपने देश के कुछ राजनीतिक दल, जो चुनावी घोषणा करके देश के लोगों को गुमराह करते हैं, इसका मुद्दा रखना चाहता हूँ । एक देश के विकास के लिए चुनाव बहुत ही अहम प्रक्रिया है । किसी भी लोकतांत्रिक देश में चुनाव काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है । चूंकि भारत को विश्व में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भी जाना जाता है, इसलिए भारत में चुनाव को काफी अहमियत दी जाती है ।

अध्यक्ष महोदय, इस खूबसूरती को भारत देश के सभी राजनीतिक पार्टियों ने सात दशक तक चला रखा है । इस देश में काफी प्रगति भी हुई है । आज हमारा देश बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है । पिछले कुछ सालों से यह देखा जा रहा है कि कुछ राजनीतिक दल के लोग चुनावी लोक-लुभावनी घोषणा करते हैं । वे लोग मतदाताओं को गुमराह करने का काम करते हैं । फिर चुनाव जीतने के बाद वे अपने वादे पूरा नहीं करते हैं । चुनाव में दिए गए वादे एक डॉक्यूमेंट होता है, एक वचननामा होता है । इसलिए, यदि कोई भी राजनीतिक पार्टी घोषणा करती है तो उसको पूरा भी करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, दुनिया के कुछ देशों ने इस प्रकार की घोषणा की हैं और वह देश आज दिवालिया होने के कगार पर खड़ा है । सुप्रीम कोर्ट ने भी इसका संज्ञान लेते हुए, चुनाव आयोग को इस बारे में कुछ दिशा-निर्देश बनाने के लिए कहा है । मैं आपके माध्यम से चुनाव आयोग से यह निवेदन करना चाहता हूँ कि आने वाले दिनों में इस प्रकार के जो राजनीतिक दल के लोग लोक-लुभावनी घोषणाएं चुनाव के दिनों में करते हैं और चुनाव जीतने के बाद उसको पूरा नहीं करते हैं, ऐसे राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द करने के बारे में कदम उठाया जाए । मैं आपके माध्यम से यह माँग करना चाहता हूँ।